राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जयपुर

आयोजना बजट वर्ष 2007–08 से वर्ष 2008–09, 2009–10
अध्याधीन संचालित योजनायें व उनके अन्तर्गत अर्जित उपलब्धियां

खादी ग्रामोद्योग में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम

राष्ट्रीय फैशन टैक्नोलोजी संस्थान, अहमदाबाद से विशेषकर युवा पीढी के लिए सूती खादी के आधुनिक डिजाइन्स के 60 परिधानों के प्रोटोटाइप्स विकसित करवाये गये जिनका वाणिज्यिक **''सेवा केन्द्र'', अहमदाबाद** में करवाया गया। 1500 परिधानों के इस कलेक्शन को 6 अगस्त, 2007 को जयपुर स्थित नवीनीकृत खादी भण्डारों पर माननीय उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार से लांच करवाया गया। श्री राजेश प्रताप सिंह, नई दिल्ली एवं सुश्री रिबेका डिसूजा, अहमदाबाद के साथ उनके नाम के ब्राण्ड लेबल के साथ खादी बोर्ड के द्वारा संयुक्त रूप से आधुनिक डिजाइन के परिधानों के विपणन हेतु एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किये गये। श्री राजेश प्रताप सिंह के एवं सुश्री रिबेका डिसूजा के द्वारा नवीनतम आधुनिक डिजाइन के परिधानों के वर्ष 2007–08 में प्रोटोटाइप्स बनाये गये, जिनको सितम्बर, 2008 में आयोजित फैशन वीक में जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में लांच किया गया। वर्ष 2009–10 उक्त फैशन डिजाइनरों द्वारा तैयार किये गये प्रोटोटाइप्स का करीब 450 का सूती व पोली मुख्य रूप से ऊनी परिधानों वाणिज्यिक उत्पादन करा कर खादी भण्डारों पर बिक्री हेतु उपलब्ध कराये गये तथा संस्था संघ से ऊनी प्रोटोटाइप्स के परिधानों का वाणिज्यिक उत्पादन कराया गया।

ग्रामोद्योगी उत्पादों की पैकिंग पेकेजिंगः–

भारतीय पैकिंग पेकेजिंग संस्थान, मुम्बई को राजस्थान में उत्पादित ग्रामोद्योगी उत्पादों की पैकिंग/ पैकेजिंग में सुधार हेतु वर्ष 2007 में अनुबन्धित किया गया। प्रथम चरण में 11 प्रमुख उत्पाद यथा– खाद्य पदार्थ (पापड, अचार, शहद) सौन्दर्य प्रसाधान (हर्बल मेहंदी, फेस पेक, शैम्पयू व डिटरजेन्ट) तथा आयुर्वेदिक उत्पाद (द्रव्य, तेल आदि) सम्मिलित किये गये। जिसके लिये खादी बोर्ड द्वारा संस्थान को वर्ष 2007–08 में 20.44 लाख रू. उक्त सुधार हेतु भुगतान किये गये। वर्ष 2008–09 में भारतीय पेकिजिंग संस्थान, मुम्बई में खादी बोर्ड व खादी ग्रामोद्योग आयोग की संस्था/समितियों/व्यक्तिगत इकाइयों के प्रतिनिधियों को 5 दिवस के जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 20 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिस पर 4.00 लाख का व्यय हुआ तथा कुल व्यय 6.41 लाख रू. का हुआ। वर्तमान में इस क्रम में सम्बन्धित खादी संस्था/ समितियों/ व्यक्तिगत इकाइयों द्वारा अपने ग्रामोद्योगी

उत्पादों को बडे शो रूम, कॉल्स में रखने हेतु बारकोडिंग कराने के लिए बोर्ड को प्रस्ताव प्रस्तुत किये जा रहे है। जो प्रक्रियाधीन है।

खादी भण्डारों का नवीनीकरणः–

आधुनिक बाजार की प्रतिस्पर्धा में टिके रहने की दृष्टि से वर्ष 2005–06 में खादी भण्डारों के नवीनीकरण की योजना आयोजना मद अन्तर्गत राज्य सरकार को प्रस्तुत की गई। योजना में सर्वप्रथम एक थीम एवं कन्सेप्ट तैयार किया गया ।

1. राज्य में खादी भण्डारों को ब्राण्ड इक्विटी (Brand equity) सिद्धान्त के अध्याधीन एक जैसे रूप तथा उनकी face uplift व आधुनिक तरीके से उत्पादां का प्रदर्शन और आन्तरिक साज सज्जा, लाइन फिक्चर, एयर कन्डीशनिंग, नवीन फर्नीचर, कम्प्यूटरीकरण आदि का कार्य भण्डार नवीनीकरण अन्तर्गत करवाने की योजना वर्तमान 11 वीं पंचवर्षीय योजना में स्वीकृत की गई ।
2. नवीनीकरण हेतु कुल व्यय की 50 प्रतिशत राशि 20.00 लाख य. की अधिकतम सीमान्तर्गत बिक्री सहायता के रूप में खादी भण्डारों को बोर्ड द्वारा उपलब्ध करवाई गई।
3. प्रशिक्षण से खादी संस्थाओं के पदाधिकारियों विशेषकर बुजुर्ग पदाधिकारियों की परम्परागत सोच में आधुनिक प्रबन्धन के सिद्धान्तों को समावेशित कराने के प्रयास के सुखद परिणाम प्रस्फुटित हुए हे। बिक्री अभिकर्ता के ग्राहकों के प्रति व्यवहार व अपने उत्पादों की यू. एस.पी. को ग्राहकों को सम्मानजनक तरीके से अभिव्यक्त करने के प्रति रूझान में वृद्धि हुई है। नवीनीकृत भण्डारों में 35 प्रतिशत से अधिक की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है।

योजना में दो प्रकार के खादी भण्डारों को चयन की श्रेणी में रखा गया

1. **बडे भण्डार :–** जिला स्तर पर स्थित ऐसे खादी भण्डार जिनकी विगत वर्ष की सकल बिक्री 25.00 लाख रू से अधिक हो उन्हें एस्टीमेट राशि का 50 प्रतिशत वित्तीय सहायता अधिकतम 20.00 लाख रू. आयोजना बजट से एवं शेष 50 प्रतिशत राशि स्वयं संस्था को अपने स्त्रोत से व्यय की जानी होती है। भण्डार नवीनीकरण की प्रगति के अनुसार आर्कीटेक्ट की सिफारिश अनुसार राशि 4 किश्तों में उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है। संस्था को अन्तिम किश्त दिये जाने से पूर्व गठित कमेटी जिसमें राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिशाषी अभियन्ता, तकनीकी विशेषज्ञ शामिल है उनकी रिपोर्ट उपरान्त दिये जाने का प्रावधान है। वर्ष 2007–08 में 10 भण्डार व 80.14 लाख राशि व्यय हुई है। वर्ष 2008–09 में 7 भण्डार

व 40.85 लाख रू. की. राशि व्यय हुई है। वर्ष 2009–10 में 1 भण्डार नवीनीकृत कराया गया।

2. **छोटे भण्डार :–** राज्य में किसी भी स्थान पर स्थित ऐसे खादी भण्डार जिनकी विगत वर्ष की सकल बिक्री 7.00 लाख रू. से अधिक है, उन भण्डारों के नवीनीकरण पर अधिकतम 2.00 लाख रू. व्यय किये जाने का प्रावधान है जिसमें से 50 प्रतिशत राशि अधिकतम 1.00 लाख रू. बोर्ड द्वारा कार्य पूर्ण होने पर पुनर्भरण करने का प्रावधान है। शेष राशि संस्था को स्वयं वहन करनी होगी। वर्ष 2007–08 में 21 भण्डार व 21.00 लाख रू. राशि व्यय हुई है। वर्ष 2008–09 में 12 भण्डार व 12.00 लाख रू. की राशि व्यय हुई है। वर्ष 2009–10 में 18 खादी भण्डार नवीनीकृत कराये गये। भण्डार नवीनीकरण के उपरान्त भण्डारों की बिक्री 42 प्रतिशत तक बढी है।

खादी भण्डार के बिक्री अभिकर्ताओं के प्रशिक्षणः– राज्य में स्थित खादी भण्डारों/ ग्रामोद्योगी इकाइयों के बिक्री अभिकर्ताओं/ कार्यकर्ताओं तथा खादी संस्था के पदाधिकारियों को क्रमशः आधुनिक विपणन प्रबन्धन एवं आधुानिक व्यवसायिक प्रबन्धन के लघु प्रशिक्षण आई.आई.टी. नई दिल्ली में खादी बोर्ड द्वारा दिलवाने का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। जिसके अन्तर्गत वर्ष 2006–07 में 217 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्ष 2007–08 में 168 बिक्री अभिकर्ता एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिलाया गया, जिसमें 4.72 लाख रू का व्यय हुआ तथा वर्ष 2008–09 में 138 बिक्री अभिकर्ता एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिलाया गया, जिसमें 4.05 लाख रू का व्यय हुआ। वर्ष 2009–10 में 38 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिलाया गया जिसमें 1.30 लाख रू. व्यय हुए। इस प्रकार गत तीन वर्षो में 568 ग्रामोद्योगी इकाईयों के प्रतिनिधियों/ बिक्री अभिकर्ताओं/ खादी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिलाया गया।

एक्सपोर्ट प्रमोशन खादी एण्ड वी.आई.

अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में सहभागिताः– वित्तीय वर्ष 2007–08 में अदीस अबाबा (इथोपिया) में दिनांक 21.2.08 से 27.2.08 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में निम्नांकित 5 ग्रामोद्योगी इकाइकयों को खादी बोर्ड द्वारा भाग लेने हेतु प्रायोजित किया गया। जिस पर 5.36 लाख रू. व्यय हुएः–

1. श्री दिलीप कुमार जैन,उदयपुर हर्बल प्रोडक्टस एवं हर्बल मेडीसिन्स

2. श्री ललित बंसल,श्री गंगानगर हर्बल प्रोडक्टस एवं हर्बल मेडीसिन्स
3. श्री उस्मान खान, जयपुर हैण्डीक्राप्टस एवं कशीदाकाारी काय्र
4. श्री गेना राम, जोधपुर दरी, फर्श आदि
5. श्री डूंगराराम, बाडमेर कॉच कशीदाकारी

अदीस अबाबा में सहभागिता उपरान्त उक्त ग्रामोद्योग इकाइयों के प्रतिनिधियों ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रति दिलचस्पी बढी है और उन्होंने अपने उत्पादों की गुणवत्ता व पैकिंग में सुधार करना प्रारम्भ किया है। श्री उस्मान भाई तथा श्री दिलीप जैन के पास अन्तर्राष्ट्रीय ट्रेड इन्क्वायरी आई है।

वर्ष 2008–09 में पेरू, चिली (दक्षिण अमेरिका)में आयोजित दिनांक 18.3.09 से 25.3.09 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी **इण्डिया शो/बायर सेलर मीट** में भाग एक ग्रामोद्योग इकाई द्वारा भाग लिया गया, जिस पर 1.09 लाख रू. का व्यय हुआ। वर्ष 2009–10 में दो ग्रामोद्योगी इकाइयां को थीम्बू (भुटान) में दिनांक 11. 9.09 से 14.9.09 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय मेले में अपने उत्कृष्ठ उत्पादों के प्रदर्शन करने हेतु प्रायोजित किया गया। जिसमें 1.75 लाख रू. की राशि व्यय हुई।

हायरिंग ऑफ सर्विसेज फॉर प्रोफेशनल एण्ड एक्सपर्टसः–

खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के माध्यम से विषय विशेषज्ञों यथा प्रबन्धकीय विशेषज्ञो, फैशन डिजाइनर्स, नवीनीकृत खादी भण्डारों पर उत्पादों के विजुअल मर्केन्डाईजिंग व डिस्प्ले को बेहतर बनाने वाले विशेषज्ञों, कम्प्यूटर डिजाइनिंग विशेषज्ञों, कम्प्यूटर पर फोटो शॉप/कम्प्यूटर पर प्रजन्टेशन व डिजाइनिंग तथा अन्य विभिन्न कार्य करने वाले कर्मियों, निर्यात, इवेन्ट आर्गनाइजेशन विशेषज्ञों, प्रचार प्रसार आदि विशेषज्ञों की सेवायें वर्ष **2007–08** में ली गई जिन पर 5.36 लाख रू. का व्यय हुआ एवं वर्ष **2008–09** में भी अनुबन्ध की कार्यवाही की गई किन्तु कोई सेवा प्राप्त नहीं हो सकी। व्यय राशि 0.07 लाख रू. की हुई।

प्रचार प्रसार माध्यम एवं व्यय राशिः–

1. समाचार पत्र/ पत्रिकाओं/स्मारिकाओं के माध्यम से
2. LED स्क्रीन – राजस्थान रोडवेज केन्द्रीय बस स्टेण्ड, जयपुर के डीलक्स प्लेटफार्म की केन्टीन परिसर के उपर स्क्रीन पर खादी के नवीनतम परिधानों एवं **लोगो** का प्रदर्शन कराया गया।

3. जिला मुख्यालयों के बस स्टेण्डों व प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर किराये की होर्डिंग के माध्यम से खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का प्रचार प्रसार कराया गया।
4. जयपुर स्थित दो प्रमुख सिनेमाघरों की शो विण्डो में खादी व ग्रामोद्योगी उत्पादों को रख कर प्रचार प्रसार कराया गया।
5. प्रमुख जिला मुख्यालयों पर रेल्वे स्टेशन के परिसरों पर खादी के आधुनिक डिजाइन के परिधानों व फैबरिक का किरायें की होर्डिंग लेकर प्रचार प्रसार कराया।
6. बीकानेर स्थित अम्बेडकर भवन में खादी के नवीनतम फैबरिक एवं आधुनिक डिजाइन के परिधानों का प्रदर्शन कराया गया।
7. होटल आमेर क्लार्क्स में मैसर्स दिशा द्वारा आयोजित **रंग गुलाबी** आयोजन में ग्राम्या हैण्डीक्राप्ट एम्पोरियम द्वारा भाग लिया जाकर आधुनिक खादी के परिधानों एवं फैबरिक का प्रदर्शन किया गया।

वर्ष 2008–09

1. सितम्बर, 2008 में रूडा के माध्यम से जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में आयोजित **हैण्डलूम फैशन वीक** में फैशन डिजाइनर सुश्री रिबेका डिसूजा द्वारा 20 आधुनिक डिजाइन के इण्डो वेस्टर्न पेटर्न के (महिला) परिधानों का तथा श्री राजेश प्रताप सिंह, फैशन डिजाइनर द्वारा तैयार कराये गये 12 (पुरूष) परिधानों को लांच किया गया।
2. एफ एम रेडियो आकाशवाणी एवं अन्य एफ एम रेडियों चेनल्स पर खादी के परिधानों के कलेक्शन का प्रचार प्रसार कराया गया।
3. राजस्थान रोडवेज के बस स्टेण्ड जयपुर अजमेर में लगे प्लाज्मा टी वी पर खादी ग्रामोद्योग का प्रचार प्रसार कराया गया।
4. रेल्वे स्टेशन, जयपुर पर लगे प्लाज्मा टी वी पर प्रचार प्रसार कराया गया।
5. प्रमुख जिला मुख्यालयों के बस स्टेण्डों पर होर्डिंग के माध्यम से खादी के आधुनिक डिजाइन्स का प्रसार प्रसार कराया गया।
6. प्रमुख जिला मुख्यालयों के रेल्वे स्टेशन के परिसरों में होर्डिंग व एक्जिट पोल, टिकिट खिडकी आदि साइटे किराये पर लेकर प्रसार प्रसार कराया गया।

वर्ष 2009–10

1. एफ एम रेडियो आकाशवाणी एवं अन्य एफ एम रेडियों चेनल्स पर खादी के परिधानों के कलेक्शन का प्रचार प्रसार कराया गया।
2. रेल्वे स्टेशन, जयपुर पर लगे प्लाज्मा टी वी प्रसार पर प्रचार कराया गया।
3. प्रमुख जिला मुख्यालयों के रेल्वे स्टेशन के परिसरों में होर्डिंग व एक्जिट पोल, टिकिट खिडकी आदि साइटे किराये पर लेकर प्रसार प्रसार कराया गया।
4. प्रमुख सिनेमा घर की शो विण्डों पर प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराया गया।
5. ई टी वी व टी वी 99 स्क्रोल पर एवं सम्भागीय स्तर पर केबल नेटवर्क द्वारा विज्ञापन प्रसारित कराया गया।

इसके अतिरिक्त समय समय पर प्रचार प्रकाशन के माध्यम से भी खादी ग्रामोद्योग उत्पादों का प्रचार कराया गया। वर्ष 2007–08 में 23.34 लाख रू. का व्यय हुआ। वर्ष 2008–09 में 37.53 लाख रू. का व्यय हुआ। वर्ष 2009–10 में 29.32 लाख रूपया व्यय हुआ।